DEEBALI

WALL MAGAZINE

2021 - 2022 (III)

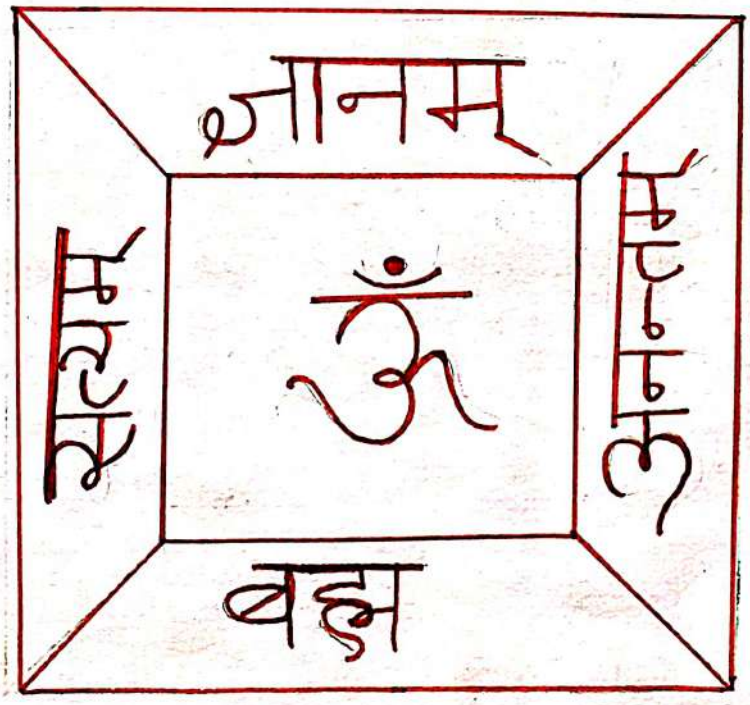

रंग
और
मृदंग

रंग - मृदंग

संपाद कार्य

बिखरे रंग, बजे मृदंग,
देख किशन बृजबाला दंग।
ताल - गुलाल का अद्‌भुद संगत,
भूमें बरसाने, वृंदावन संग॥

- रंगो की क्या परिभाषा देंगे...... हर एक क्षण जो हम जी रहे हैं, वह रंग ही तो हैं। कही एक समय एक रंग हैं, कही दो तो कही बहुत सारे रंगो का साथ हैं।
- आँखे बंद हो तो रंग श्वेत - श्याम हैं, आँखे खुली हो तो रंग इंद्रधनुषी हैं। अंधेरी रात रंग हैं, भोर की किरण रंग हैं, जगमगा जुगनू रंग हैं, फूलो पर तितलियाँ रंग हैं।
- आइए इन रंगो को धुन से जोड़ कर देखें..... कहते हैं कि सुरो की संख्या सात हैं, इंद्रधनुष के रंगों की संख्या भी सात हैं। इन सात सुरो तथा रंगो का परस्पर मेल जीवन के प्रत्येक पड़ाव में दिखता है।
- इसका असर इस बात पर भी निर्भर करता है कि हम इनका इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं? कुछ रंग और धुन सुकून के हैं, कुछ प्रेम के हैं, कुछ रंग - ध्वनि का मेल वैराग का द्योतक हैं.... वही कुछ रंग - धुन अनुशासन नई सोच तथा जागरूकता के प्रतीक भी हैं।
- मनुष्य ताउम्र अपनी आशा, अपेक्षा, कामना, लालसा आदि में बँधकर इन रंगो तथा धुनों से पृथक से हो जाते हैं। जिंदगी को उस रूप में नही जी पाते हैं, जिसमें वो जीना चाहते हैं, क्योंकि या तो उनके मिलाए रंग बहुत सारे गहरे हो जाते हैं या तो बहुत फीके। इन रंगो का जीवन के धुनो के साथ संतुलन बनाना आवश्यक हैं।
- तो यह कह सकते हैं, कि "राग - रंग" के इस संगम का अर्थ ही जीवन हैं।

Name — Pratibha Kumari
Class - B.Ed sem-II 'C'
Rollno - 133
HAPPY
HOLI

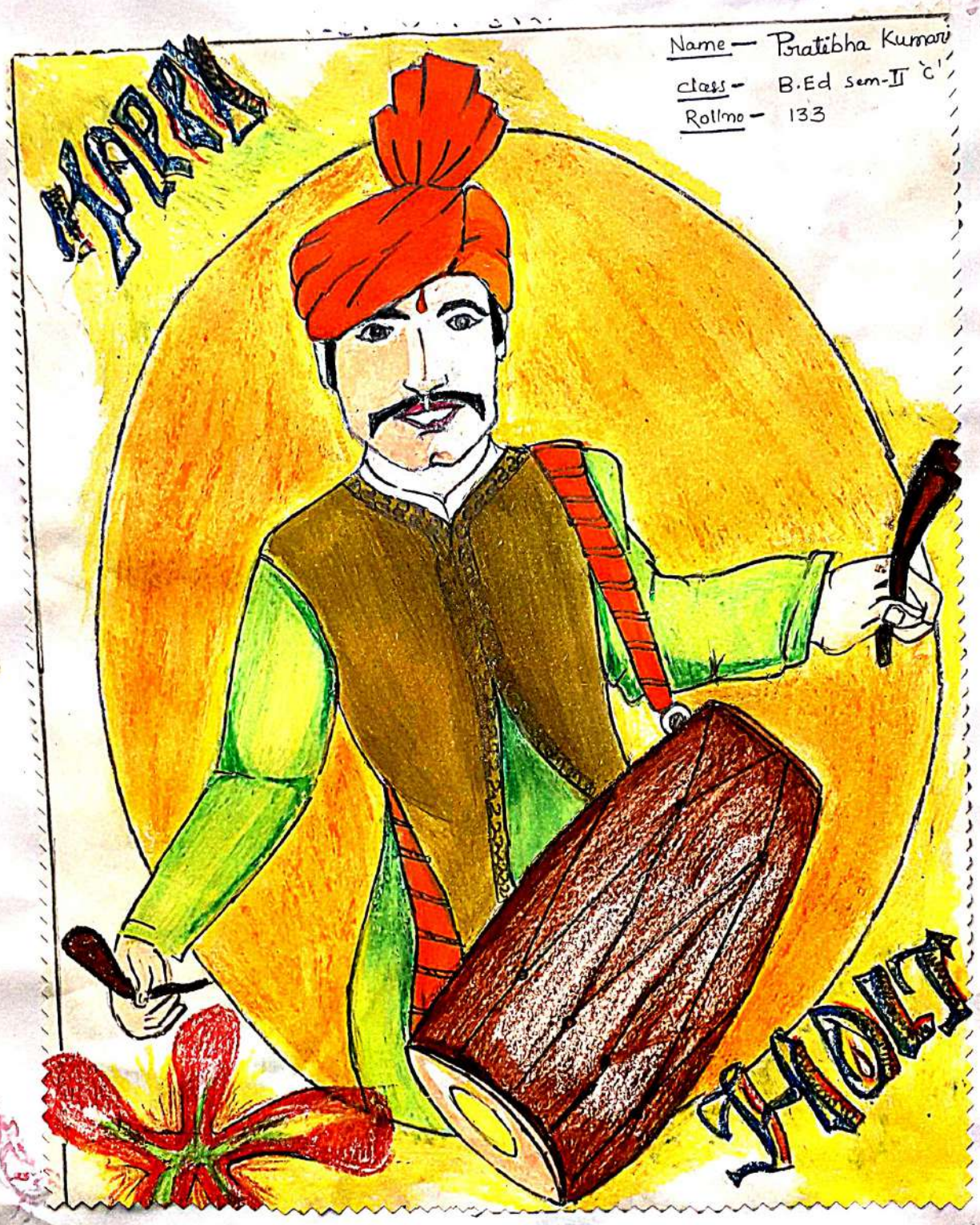

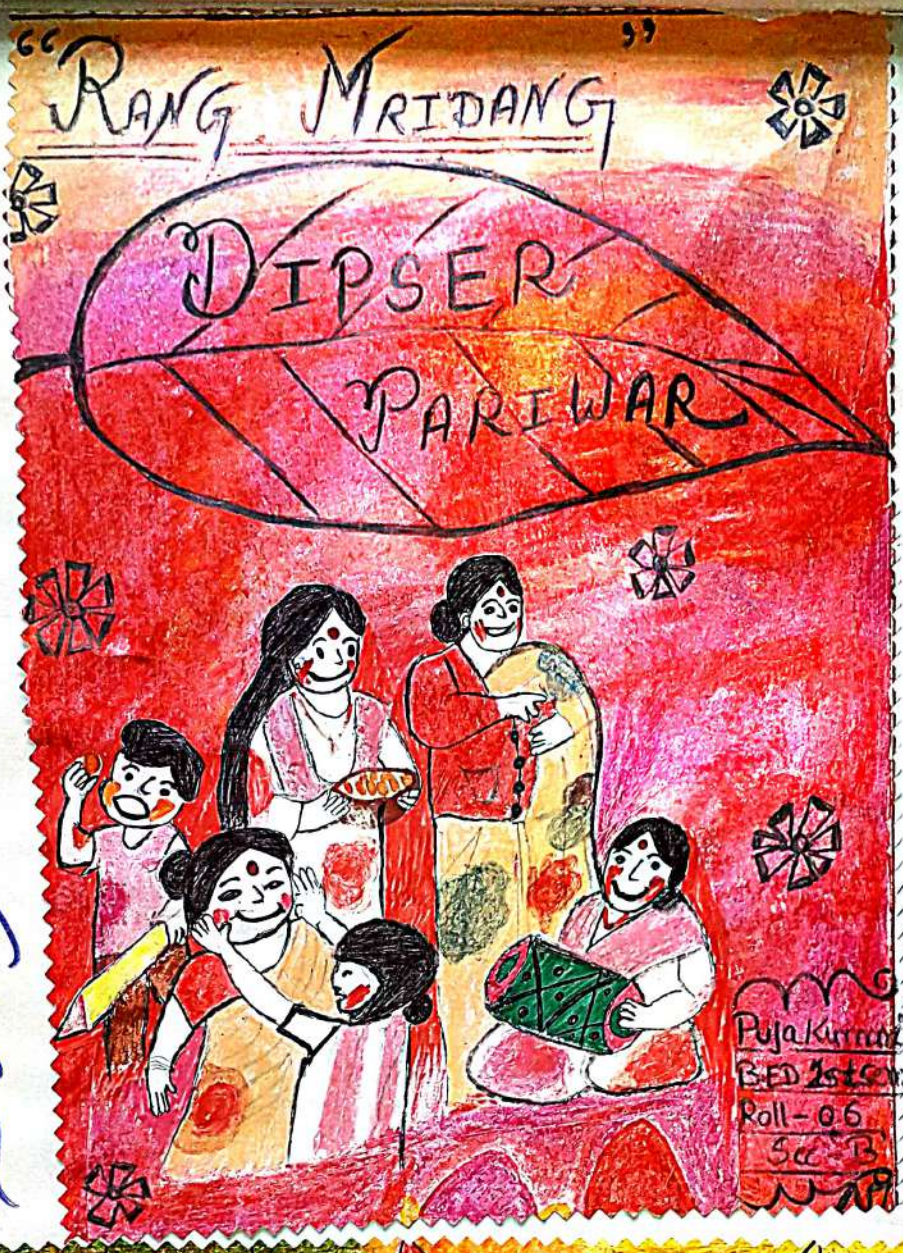

"Rang Mridang"
Dipser Pariwar
Puja Kumari
B.ED 1st Sem
Roll-06
Sec 'B'

Name - Puja Kumari
Roll no. - 38 "B" B.Ed(2020-22)

होली का त्योहार आया
खुशियों की सौगात लाया
रंगो की उड़ान लाया

होली का त्यौहार आया
प्यार की गंगा संग में लाया
सबके मन को भाया

होली का त्योहार आया
चंग और थाप की टोली लाया
गीत मल्हार को संग में लाया

होली का त्योहार आया
एक दूजे को रंग में रंगने आया
सब के साथ घुल मिलने को आया

होली का त्योहार आया
ग्रीष्म ऋतु को संग में लाया
रंगो और उमंगो की पहचान लाया

NAME - ALBINA MURMU
Roll NO. 15('D') B.Ed-II

* रंग - मृदंग *

खेलत गिरिधर रंग मंगे रंग।
गोप सखा बनि बनि आये हैं,
हरि हल धर के संग॥
बाजत ताल मृदंग झांझ
डफ मुरली मुरज उपंग।
अपनी अपनी फेंटन भरि लिए गुलाल सुरंग॥
पिचकाई नीके करि छिरकत गावत तान तरंग॥
उत आई ब्रज बनिता बनि मूकतहाल भरि मंग॥

Art by :- Ritu Kumari B.Ed
Session :- 2021-2023 Roll no :- 10 'B'

रंग - मृदंग

कबीर तुलसी रैदास
और सारे
लिख गये कितने सुंदर छंद
साहित्य में हो लयबद्ध
जैसे शहनाई ढोल मृदंग
सबके अपने - अपने रंग
अपने - अपने ढंग....

एक हमारा ढंग
छंद से जैसे ढूंढ
अपने ही सुंदर रंगो में
ढूंढ रहे लयबद्ध
अपनी कविता में
मानों अपना ही बसंत।

NAME- NEHA KUMARI
Roll NO- 67 Sec-'A'

RANG MRIDANG

Name- Puja Kumari
Roll No. - 162
Sec - D Session - 2020-22

रंग और मृदंग

"रंग और मृदंग"

श्याम मनोहर मुरली बजाते बैठे हैं तैयारी में
गोपियों को रंगने की खातिर रंग भर के पिचकारी मे,

कान्हा के दर्शन को देखो लग गयी है लम्बी कतारे
कृष्ण न आए बरसाने राधा जी राह निहारें।

याद है करती बीते-समय को जो कान्हा संग बिताए थे,
कितनी बार ही छिप-छिप कर वो इनसे मिलने आए थे,

प्रेम के सागर मे जो डूबे पार उसको कौन उतारे
कृष्ण न आए बरसाने राधा जी राह निहारें।

सखिया संग बैठी राधा जी रख के अबीर गुलाल
खूब मै रंग लगाऊंगी जब आएंगे नन्दलाल,
बस जल्दी से आ जाऐ कि अब पल नही जाते गुजारे
कृष्ण न आए राधा जी राह निहारें।

सारा जग जिनका दिवाना वे राधा के दिवाने हैं
जप लो राधा कृष्णा गर जो अपने भाग्य जगाने हैं,
जो रंग जाता प्रभु के रंग मे क्या कोई उसका बिगाड़े
कृष्ण न आए बरसाने राधा जी राह निहारें।

SUSHMA JHA
B.Ed,
Roll no - 178
2020-2022

रंग - मृदंग

खा के गुजिया, पी के भंग,
लगा के थोड़ा-थोड़ा सा रंग,
बजा के ढोलक और मृदंग,
खेले होली हम तेरे संग ॥

हर तरफ से लगी रंगों बरसने कुछ सजने,
थमक के हाथों में कुछ तालियाँ लगी बजने,
खिला जहूर हंसी और खुशी की सरगम लगी,
सितारों ढोली मृदंग ढफ लगी बजने,

कौन रंग फागुन रंगे,
रंगता कौन बसंत
प्रेम रंग फागुन रंगे,
प्रीत कुसुंभ बसंत
चुड़ी भरी कलाइयाँ,
खनके बाजु-बंद,

फागुन लिखें कपोल पर,
रस से भीगे छन्द
फीके सारे पड़ गए,
पिचकारी के रंग,
अंग-अंग फागुन रचा,
सांसी हुई मृदंग।

Name – Sumita marandi
Rollno – 109
Session – 2021-2023
SECTION – 'C'

रंग - मृदंग

आओ सब मिल नाचें-गायें
फागुन रंग-मृदंग के
नफरत दूर भगाते जायें
अंग लगायें गुलाल के।

मानो जीवन एक झरना है
मस्ती इसका पानी है
सुख-दुख के दोनों तीरों से
यह चलता मनमानी है।

जीवन है उत्थान-पतन का
फिर भी हमको चलना है
गम को भी खुशियों में बदले
मार्ग वही अपनाना है।

प्रण ले इस बहुरंगी दुनियाँ में
हमें नहीं मुरझाना है
रंग मृदंग की थाप से इसको
सरस जीवंत बनाना है।

बाह्य धन क्षीण होता जबकि
अंतः धन में बरकत है
सोचो मायूस क्यों जीना
जब हँसी सेहत खजाना है।

Name :- KUMARI DIPTI
Class :- M.Ed, 3rd Sem.
Roll No :- 35 Session :- 2020-2022.

रंग - मृदंग

पुलकित हुआ मन
हुलसा है तन
महका हर उपवन
पुराने पत्तों का क्षरण
नवपल्लों का अनगुंठन
कोमल पत्तों पर
ओस कणों की धुअन
धरा का पुष्पों से
महका है आंगन
पहनी है धानी चूनर
लटकी मोती की झूमर
पहनी मोतियन माला
इठलाई बनके बाला
सूरज उतरा नीचे
छूने पाँव धरा के
चंदा ने दी बाहें पसार
चाँदनी गाए मल्हार
नाचे वन में मोर
प्रमुदित हुआ चकोर
ब्रज में छाया उल्लास
कान्हा संग गोपियन का रास
आई ग्वालों की टोली
खेलें सब हिलमिल होली
उड़े अबीर गुलाल
का रंग
बाजे ढोल मृदंग
और चंग

— मीना गुलियानी

Name :- Priyanka Kumari Gupta
Roll No - 121
Class - B.Ed

रंग और मृदंग

कौन रंग फागुन रंगे, रंगता कौन बसंत?
प्रेम रंग फागुन रंगे, प्रीत कुसुंभ बसंत।
चूड़ी भरी कलाइयाँ, खनके बाजू-बंद,
फागुन लिखे कपोल पर, रस से भीगे छंद।

फीके सारे पड़ गए, पिचकारी के रंग,
अंग-अंग फागुन रचा, साँसें हुई मृदंग।
धूप हँसी बदली हँसी, हँसी पलाशी शाम,
पहन मूँगिया कंठियाँ, टेसू हँसा ललाम।

कभी इत्र रूमाल दे, कभी फूल दे हाथ,
फागुन बरजोरी करे, करे चिरौरी साथ।
नखरीली सरसों हँसी, सुन अलसी की बात,
बूढ़ा पीपल खाँसता, आधी-आधी रात।

बरसाने की गूजरी, नंद-गाँव के ग्वाल,
दोनों के मन बो गया, फागुन कई सवाल।
इधर कशमकश प्रेम की, उधर प्रीत मगरूर,
जो भीगे वह जानता, फागुन के दस्तुर।

पृथ्वी, मौसम, वनस्पति, भौंरे, तितली, धूप,
सब पर जादू कर गई, ये फागुन की धूल।

Sheetal Kumari
Roll N. 29 'A'
B.Ed Sem. II

Name: Pramila Hansda
Section: C
Roll No: 175

रंग मृदंग

हमारे जीवन में रंगों का महत्व है और हमारे चारों तरफ से दुनियाँ रंगों से भारी है।

लाल रंग मंगल और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है वही रंग हमारे शरीर को स्वस्थ और मन को प्रसन्न बनाने वाला होता है लाल रंग खुशी को प्रकट करता है

हरा रंग मन को शांति और शीतलता का अहसास कराता है।

पीला रंग मानसिक और बौद्धिक उन्नती का प्रतीक है ये रंग मस्तिष्क को उत्तेजित करता है।

गेरुआ रंग - नारंगी रंग सूरज सवेरे का रंग होता है इस रंग से आभामंडल के काले हिस्से का शुद्धिकरण भी होता है।

नीला : आसमान और समुद्र का रंग नीला होता है। मनोविज्ञान के अनुसार नीला रंग बल, पौरुष और वीर भाव का प्रतीक होता है।

सफेद रंग - जिस सफेद रंग को बेरंग समझा जाता है, असल में वे सफेद रंग सात रंगों का मिश्रण होता है। ये रंग पवित्रता, सरलता, शांति और विद्या का प्रतीक होने के साथ मानसिक और नैतिक स्वच्छता को भी प्रकट करता है।

नाम - काजल कुमारी
क्रमांक - 05
सेस SCC - 2021 - 2023 'A'

रंग-मृदंग

देखो - देखो होली है आई
चुन्नू - मुन्नू के चेहरे पर खुशियां है आई
मौसम ने ली है अंगड़ाई।

शीत ऋतु की हो रही है बिदाई
ग्रीष्म ऋतु की आहट है आई
सूरज की किरणों ने उष्णता है दिखलाई
देखो - देखो होली है आई।

बच्चो ने होली की योजना खूब है बनाई
रंगबिरगी पिचकारीयां बाबा से है मंगवाई
रंगो और गुलाल की सूची है रखवाई
जिसकी काका ने अनुमति है नहीं दिलवाई।

दादाजी ने प्राकृतिक रंगो की बात है समझाई
जिस पर सभी बच्चो ने सहमति है जतलाई
बच्चों ने खूब मिठाइयां खाकर शहर में खूब
धूम है मचाई देखो - देखो होली है आई।

होली ने भक्त प्रहलाद की स्मृति है करवाई
बच्चो और बड़ों ने कचरे और अवगुणों
की होली है जलाई होली ने कर दी
है अनबन की सफाई जिसने दी है
प्रेम की जड़ो को गहराई।

Name - Nidhi Roy
Roll No - 16
Sec - 'B' (B.Ed-2021-2023)

Rang Mridang

Girridhari in Holi's Playful mood
Colourful patterns exudes
Divine music on his Flute .....
The beat of drum beat goes Thud! Thud! Thud!

As revellers dance around, ankle deep, goey mud
All around dyed with Colors of Thoughts
Where we, the painter, not the canvas
Painting the Colors of mind's peace
and a hearts delight...

Keeping the colors of life shine bright
Drum beats and Joyous hoots
Joined by Braj ladies Cute..
Handfuls of Red Rose powder.
On his beloved he throws.....

All around Fragrance flows,
Singing in Char Dhamar
Clapping hands his Joy Shows.
Dark complexioned, the honey comb,

When playing Holi
Clouds of Color Zoom,
And the Braj is Flooded
With love's honeyed Juice.
Meera Feels the Bliss
In Mohan's Company lives.

Name — Manisha Kumari
Roll no. — 9 Sec — A
Session — 2021 - 2023
Class — B.Ed

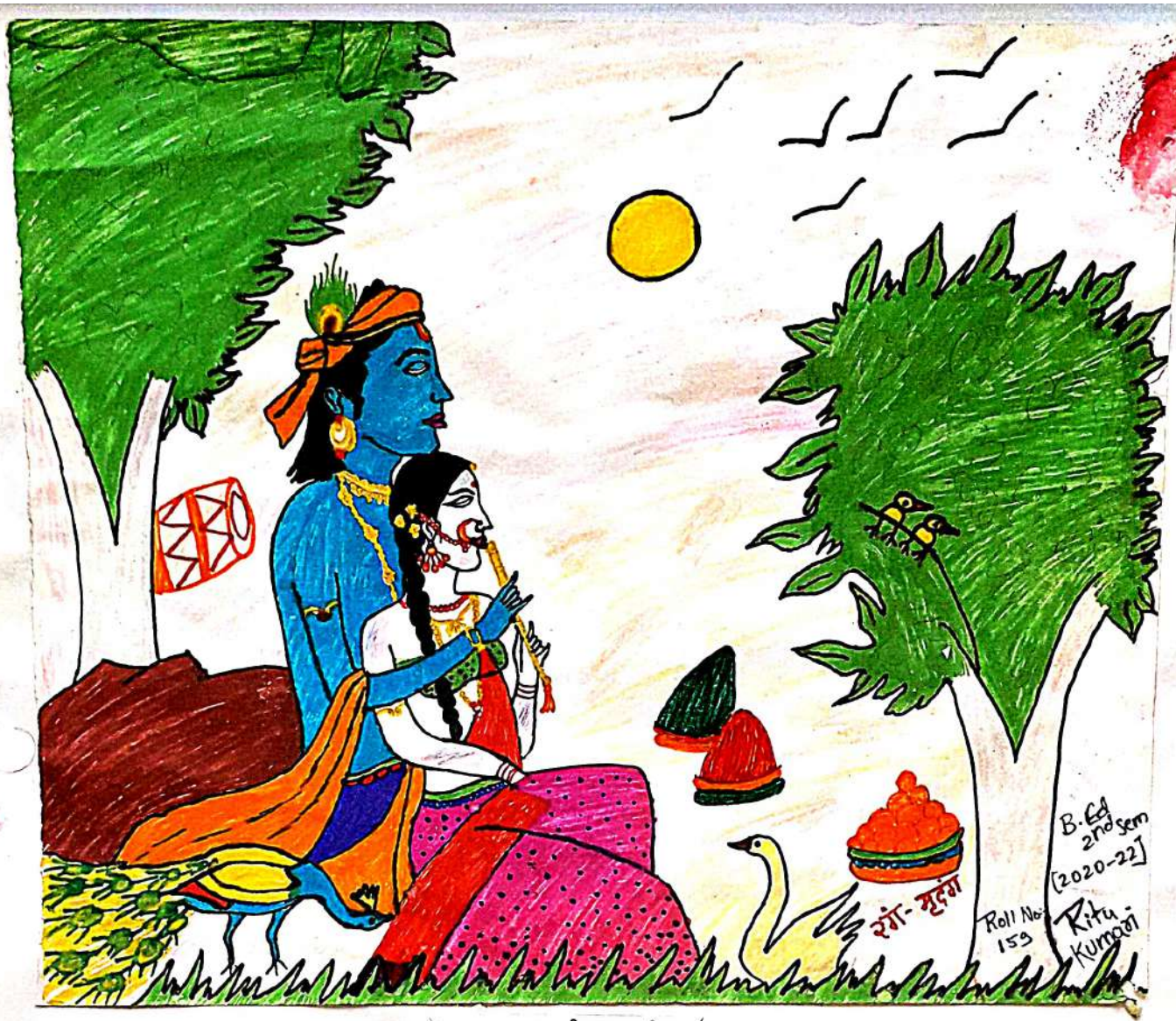

फागुन के रंग

फागुन लिखे कपोल पर,
रस से भीगे छंद
फीके सारे पड़ गए,
पिचकारी के रंग,
अंग - अंग फागुन रचा,
साँसे हुई मृदंग

रंगों की बरसात हो
रंगीन पलों का एहसास हो
हर पल खुशियों से रंग जाये
तभी तो कुछ बात हो

रंगों का त्योहार है होली
खुशियों की बौछार है होली
लाल गुलाबी पीले देखो
रंग सभी रंगीले देखो
पिचकारी भर - भर के लाते
एक दूजे पर सभी चलाते
होली पर अब ऐसा हाल
हर चेहरे पर आज गुलाल

Name - Shanti Saloni Marandi
Roll No - 32
Session - B

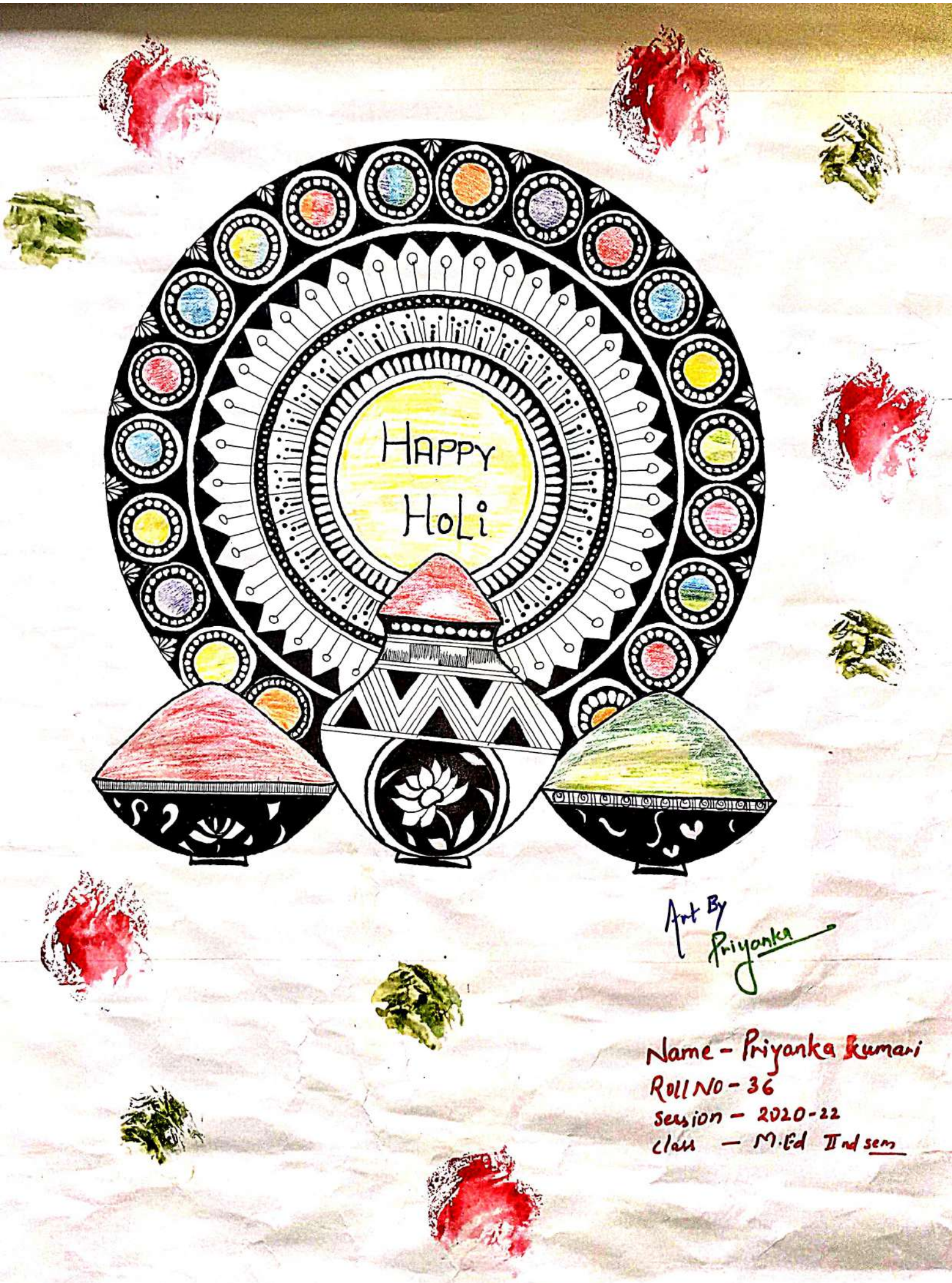

Art By
Priyanka

Name - Priyanka Kumari
Roll No - 36
Session - 2020-22
class - M.Ed IInd sem

रंग और मृदंग

ब्रज में उड़े गुलाल रंग
झूमे नाचे ब्रजवासी
कान्हा बजाते मृदंग
थिरके देख सन्यासी

रंग खिले फूलों सा
वन उपवन मधुमय
शंकर के डमरू सा
गरजे मृदंग अतिशय

बृज लाल रचाएँ रास
गोपियों संग झूमे गाए
मनोरम ये दिन खास
मन अति निर्मल होय

फाल्गुन लाए नव जीवन
दिन रैन हों उल्लासित
बहे मध्धम मध्धम पवन
रात आँगने गिरे शीत

— मनीला चौधरी
बीएड सैम - 2
खंड - बी
रोल नंबर - 54

रंग मृदंग

होली का त्यौहार आया
खुशियों की सौगात लाया
रंगों की उड़ान लाया

होली का त्यौहार आया
प्यार की गंगा संग में लाया
सबके मन को भाया

होली का त्यौहार आया
चंग और थाप की टोली लाया
गीत मल्हार को संग में लाया

होली का त्यौहार आया
एक दूजे को रंग में रंगने आया
सब के साथ घुल मिलने को आया

होली का त्यौहार आया
ग्रीष्म ऋतु को संग में लाया
रंगों और उमंगों की पहचान लाया

Name – Kumari Astha
Roll no – 194
Sec – 'D'
Class – B.ed Sem II
Session – 2020-22

Name :- Shobha Suman, B.Ed 21-23 'A', Roll No. 21

"रँग मृदंग"

कौन सी भास का
इतना प्रभाव है?
किस पर्व की आहट हुई
जो इतना शबाब है।

देकर विदाई ठिठुरन को,
फागुन की चलो अगुवाई करें,
रंग-बिरंगी वसुंधरा से
नीले अंबर की सगाई करें।

गुंज उठी है यह दिशाएं,
मधुर फगुआ की तानों से
मृदंगी धुन लहरा रही
स्वर संग अति अभिमानों से।

रंग-गुलाल की रंगत ने
भर दी खुशियों की झोली है,
शैतानियों की लिस्ट बड़ी है,
पर बुरा ना मानो होली है।।

नाम - मोनिका शांडिल्य
कक्षा - M.Ed. सत्र - 2020-2022
क्रमांक - 03

साजन! होली आई है!

फणीश्वरनाथ रेणु

साजन! होली आई है!
सुख से हँसना
जी भर गाना
मस्ती से मन को बहलाना
पर्व हो गया आज
साजन! होली आई है!
हँसाने हमको आई है!

साजन! होली आई है!
इसी बहाने
क्षण भर गा लें
दुखमय जीवन को बहला लें
ले मस्ती की आग -
साजन! होली आई है!

साजन! होली आई है!
रंग उड़ाती
मधु बरसाती
कण - कण में यौवन बिखराती
ऋतु वसंत का राज -
लेकर होली आई है!
जिलाने हमको आई है!

साजन! होली आई है!
यौवन की जय!
जीवन की लय!
गूँज रहा है मोहक मधुमय
उड़ते रंग - गुलाल
मस्ती जग में छाई है!
साजन! होली आई है!

NAME- Kriti Kumari
CLASS- B.Ed
ROLL NO - 199

रंग और मृदंग

Name - Shilpi Kumari
Class - B.Ed IInd Sem
Roll.No - 14 'B'
Session - 2020 - 2022

अगर रंग ना होते

अगर रंग ना होते दुनिया में
किस रंग की दुनिया होती फिर
बस काले गोरे से लगते सब
बेढंग सी दुनिया होती फिर...!

क्या रंग होता आसमान का?
किस रंग में नदिया बहती?
कोई फर्क ना होता दिन-रात में..
अपंग सी दुनिया होती...।

ना उत्साह का कोई रंग होता
ना आशाओं का कोई रंग होता
कैसे जीते हम दुनिया में
जहाँ हर जीवन बेरंग होता

ना पेड़ों में हरियाली होती
ना फूलों में रंगोली
हर बगिया सूनी होती
या दुनिया आधी, अधूरी, मटमैली...!

Munni Hansda
Roll No - 14
Sec - B (21-23)
B.Ed

रंग और मृदंग

Name- Srishti Paiya
B.Ed - sem 2 Sec - A Roll - 31

"रंग और मृदंग..."

कौन रंग फागुन रंगे, रंगता कौन वसंत?
प्रेम रंग फागुन रंगे, प्रीत कुसुंभ वसंत।
चुड़ी भरी कलाइयाँ, खनके वायु-बुंद,
फागुन लिखे कपोल पर, रस से भीगे छंद।
फीके सारे पड़ गए, पिचकारी के रंग;
अंग-अंग फागुन रचा, साँसें हुई मृदंग।
धूप हँसी बदली हँसी, हँसी पलाशी शाम,
पहन मूँगिया कंठियाँ, टेसू हँसा ललाम।
कभी इत्र रूमाल है, कभी फूल है हाथ,
फागुन बरजोरी करे, करे चिरौरी साथ।
नखरीली सरसों हँसी, सुन अलसी की बात,
बूढ़ा पीपल खाँसता, आधी-आधी रात।
बरसाने की गूजरी, नंद-गाँव के ग्वाल,
दोनों के मन बो गया, फागुन कई सवाल।
इधर कशमकश प्रेम की, उधर प्रीत मगरूर,
जो भीगे वह जानता, फागुन के दस्तूर।
पृथ्वी, मौसम, वनस्पति, भौंरे, तितली धूप,
सब पर जादू कर गई, ये फागुन की धूप।

NIKITA KUMARI
B.Ed; Roll no.-154
2020-2022

"रंग मृदंग"

कौन-सी हवा है ये,
कैसा उमंग है?
रंग-गुलाल की आंधियों में,
होली का हुड़दंग है।

पिचकारियों की धार में,
उत्साह का तरंग है,
धुटुओं के चेहरे पर,
लाल-नीला रंग है।

टोलियों की शैतानियों से,
बच निकलने की जंग है,
इधर-उधर की घानबीन,
फिर घर बना सुरंग है।

सोंधी खुशबु आ रही,
चटक जबान मग्न है,
पकौड़ियाँ, कचौड़ियाँ,
और मिठाई संग है।

लाल-नीले बारीशों से,
शराबोर सबका अंग है,
फागुन के नशे में सब,
सब पे चढ़ा भंग है।

नाम :- रश्मी कुमारी
कक्षा :- M.Ed (sem-2)
रोल नं :- 39

"रंग मृदंग"

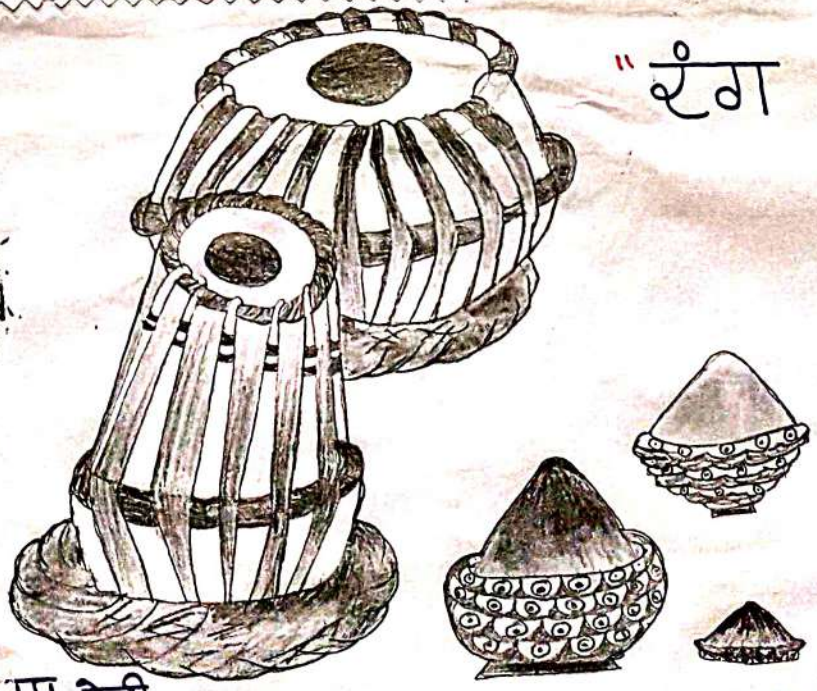

नाम - पूनम देवी
कक्षा - M.Ed.
सत्र - 2020-2022
क्रमांक - 02

NAME - Shiba Kumari
ROLL - 54
SECTION - B
SESSION - 2021-2023

रंग और मृदगं

सुन मिठी मृदंग उठे मन मे तरंग — 2
आयी है होली, लेके खुशियों की रंग ||

थोड़ी है नोक-झोक, थोड़ी हंसी ठिकोली -2
सब कहते है, बुरा ना मानो होली है होली ||

भरे है मन में उमगं साथ में बाजे ढोल, मृदंग -2
चलो सबको लगएं भई खुसियों का रंग ||

छोटा हो या बड़ा, गरिब हो या अमीर -2
सबको लगावो भई लाल, गुलाब अबीर ||

पकौड़ियां खाओ, जस्न मनावो -2
चलो सभी होली का रंग लगावो ||

——x——

Name — Juhi kumari
Roll. No — 42
Sec. — B
Sess. — 2020/22

B.Ed Sem-2

रंग - मृदंग

Name- Priyanka Bagga
B.ed 1st Semester
Roll no- 122 Sec - D (2021-23)

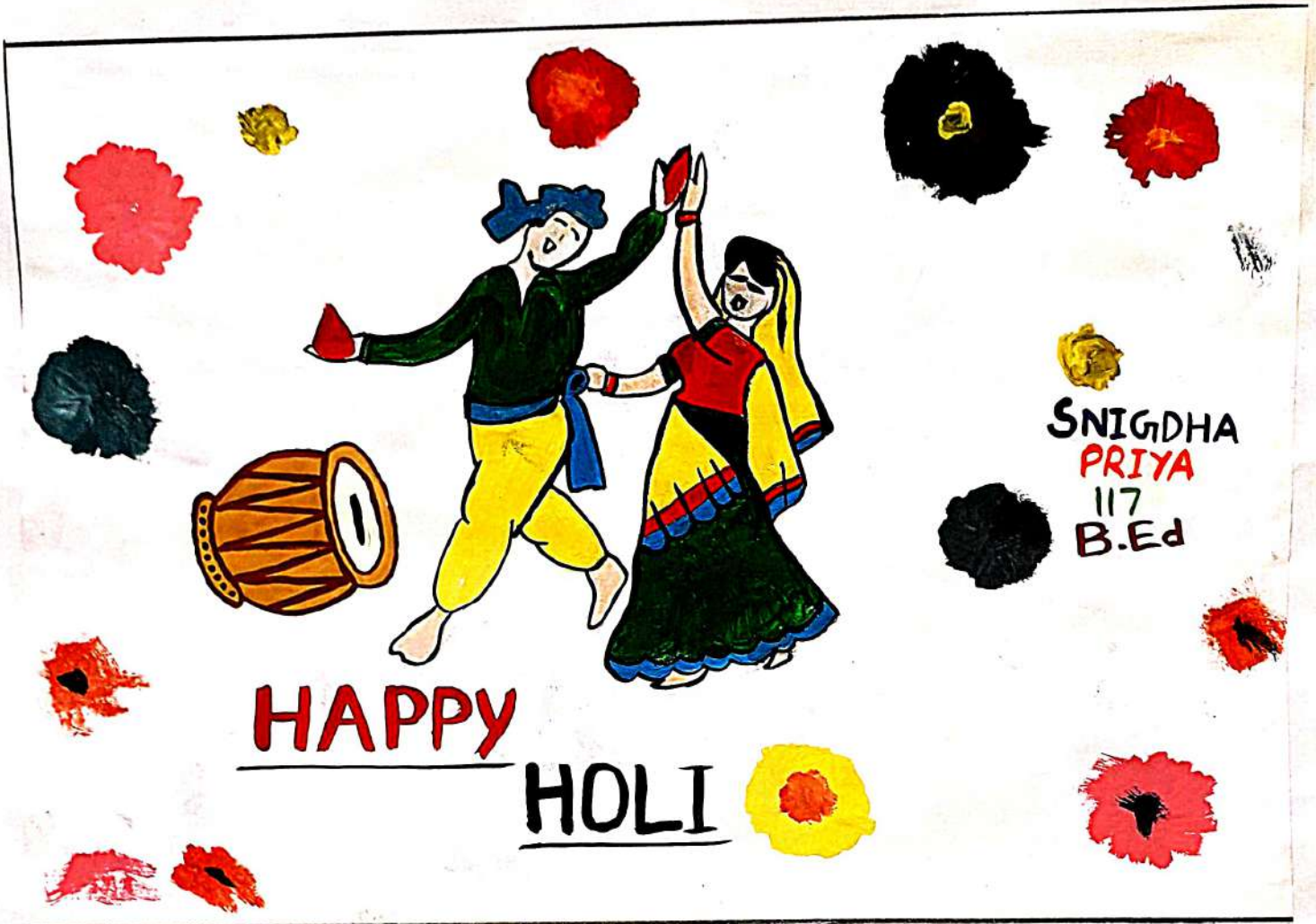

SNIGDHA
PRIYA
117
B.Ed
HAPPY
HOLI

रंग - मृदंग
2021 – 23
Nama – Madhu K. Turi
B.ed, Sem-I
Roll No. 29
Sec – A